ikB;Øe ik:i & ,e-,- lLd`r
2013&14

iok)l &

प्रथम प्रश्न पत्र – वैदिक साहित्य
द्वितीय प्रश्न पत्र – ललित साहित्य तथा साहित्य शास्त्र
तृतीय प्रश्न–पत्र – भारतीय दर्शन
चतुर्थ प्रश्न पत्र – भाषा विज्ञान, व्याकरण तथा भारतीयकला का इतिहास

mÙkjk)l ijh{kk &

oxl ¼v½ lkfgR;

प्रथम प्रश्न पत्र – संस्कृत काव्य शास्त्र
द्वितीय प्रश्न पत्र – नाटक एवं नाट्यशास्त्र
तृतीय प्रश्न पत्र – गद्य पद्य एवं चम्पू अथवा भास अथवा कालिदास

अथवा

oxl ¼c½ ofnd lkfgR;

प्रथम प्रश्न पत्र – संहिता पाठ
द्वितीय प्रश्न पत्र – ब्राह्मण, उपनिषद् तथा वैदिक सहायक ग्रन्थ
तृतीय प्रश्न पत्र – वैदिक धर्म का तुलनात्मक विवेचन एवं देवशास्त्र

अथवा

oxl ¼l½ n'ku 'kkL=

प्रथम प्रश्न पत्र – न्याय एवं वैशेषिक दर्शन
द्वितीय प्रश्न पत्र – सांख्य, आगम एवं व्याकरण दर्शन
तृतीय प्रश्न पत्र – वेदान्त एवं मीमांसा दर्शन

अथवा

oxl ¼n½ bfrgkl ,o iqjk.k

प्रथम प्रश्न पत्र – इतिहास पुराणों का परिचय तथा इतिहास
द्वितीय प्रश्न पत्र –इतिहास काव्य
तृतीय प्रश्न पत्र – पुराण साहित्य

अथवा

oxl ¼b½ 0;kdj.k 'kkL=

प्रथम प्रश्न पत्र – वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी
द्वितीय प्रश्न पत्र – प्रक्रिया महाभाष्य
तृतीय प्रश्न पत्र – व्याकरण दर्शन

lHkh oxkZ d fy, vfuok;l &

चतुर्थ प्रश्न पत्र – निबन्ध, व्याकरण एवं अनुवाद
पंचम प्रश्न पत्र – शास्त्रीय साहित्य, प्राचीन साहित्य एवं शिलालेख,

अथवा

vk/kfud lLd`r lkfgR;

अथवा

y?k 'kk/k iczU/k ¼fu;fer Nk=k d fy,½

,e-,- lLd'r ¼iok)½

iFke i'u i= & ofnd lkfgR;

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाईयों में विभाजित होगा–

प्रथम इकाई – ऋृग्वेद
ऋग्वेद – अग्नि (1.12), मरूत् (1.85), रूद्र (2.33) उषस्(4.51) वरुण (7.86) कितव (10.34) वाक् (10.125), पुरुष (10.90), नासदीय (10. 129) विश्वामित्र–नदी संवाद (3.33)

द्वितीय इकाई –अथर्ववेद–राष्ट्राभिवर्धनम् (1.29) काल सूक्त (19.53) ऋग्वेद के दो मंत्रों में से किसी एक मंत्र का पद–पाठ एवं किसी एक सूक्त का सार अथवा देवता का स्वरूप संस्कृत में।

तृतीय इकाई – कठोपनिषद्

चतुर्थ इकाई –निरूक्त – यास्क (प्रथम एवं द्वितीय अध्याय)

पंचम इकाई –वेदांगों का सामान्य एवं संक्षिप्त परिचय

नोट :– प्रश्न पत्र बनाते समय प्रत्येक मंत्र का स्वरांकन किया जावे।

lgk;d iLrd

1. ऋक् सूक्त– संग्रह – डॉ. हरिदत्त शास्त्री
2. ऋग्भाष्य – संग्रह – डॉ. देवराज चानना, दिल्ली
3. वैदिक वाड्.मय एक परिशीलन – ब्रजबिहारी चौबे
4. ऋग्वेद भाष्य – स्वामी दयानन्द
5. वैदिक स्वर मीमांसा – पं. युधिष्ठिर मीमांसक
6. वैदिक स्वर बोध – ब्रज बिहारी चौबे
7. कठोपनिष्द् – गीताप्रेस गोरखपुर
8. निरूक्त – आचार्य विश्वेश्वर
9. वैदिक साहित्य और संस्कृति – बलदेव उपाध्याय, शारदा मन्दिर, वाराणसी

f}rh; i'u i= & yfyr lkfgR; rFkk lkfgR;'kkL=

प्रथम इकाई– मेघदूत (कालिदास)

द्वितीय इकाई – मुद्राराक्षसम् (विशाखदत्त)

तृतीय इकाई – साहित्य दर्पण (आचार्य विश्वनाथ) प्रथम व द्वितीय परिच्छेद –(सम्पूर्ण)

चतुर्थ इकाई–साहित्यदर्पण तृतीय पीरिच्छेद 1–28 कारिका साहित्यदर्पण से सम्बद्ध समीक्षात्मक प्रश्न

पंचम इकाई– हर्ष चरितम् (प्रथम उच्छ्वास) (बाणभट्ट)

lgk;d iLrd ¼

1. संस्कृत के सन्देश काव्य – डॉ. राजकुमार आचार्य
2. मेघदूत – एक पुरानी कहानी– डॉ हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. मेघदूत : एक अध्ययन – डॉ. वासुदेव शरण अग्रवाल
4. हर्षचरित : एक अध्ययन – डॉ. वासुदेव शरण अग्रवाल
5. प्राचीन साहित्य – कवीन्द्र रवीन्द्रनाथ टैगोर
6. हर्षचरित – पी.वी. काणे
7. हर्षचरित – एम.आर काणे
8. साहित्य दर्पण – आचार्य शालिग्राम शास्त्री (विमल टीका)

9. मुद्राराक्षसम् – व्या. तारिणीश झा

r`rh; iz'u i= & Hkkjrh; n'kZu

प्रथम इकाई – तर्क भाषा –(प्रामाण्यवाद पर्यन्त) केशवमिश्र कृत

द्वितीय इकाई – सांख्यकारिका – ईश्वरकृष्ण कृत

तृतीय इकाई –वेदान्तसार – सदानन्द कृत

चतुर्थ इकाई –चार्वाक दर्शन – सर्वदर्शन संग्रह से

पंचम इकाई –परमार्थ सार – अभिनव गुप्त कृत

lgk;d xzUFk %

1. भारतीय दर्शन – डॉ. बलदेव उपाध्याय
2. भारतीय दर्शन – दत्ता एंव चटर्जी (हिन्दी एवं अंग्रेजी संस्करण)
3. सांख्यकारिका – डॉ. ब्रजमोहन चतुर्वेदी
4. सांख्यकारिका – डॉ. विमला कर्नाटकर
5. सांख्यतत्व कौमुदी – रामशंकर भट्टाचार्य
6. तर्क भाषा – आचार्य विश्वेश्वर,
7. तर्क भाषा – पं. बद्रीनाथशुक्ल।
8. तर्क भाषा – डॉ. श्री निवास शास्त्री
9. तर्क भाषा – मूसलगॉवकर
10. वेदान्तसार – डॉ. सन्तनारायण श्रीवास्तव
11. सर्वदर्शन संग्रह – माधवाचार्य – अभ्यांकर कृत (टीकासहित, पूना)
12. परमार्थसार – व्याख्या – डॉ. कमला द्विवेदी,

prqFkZ iz'u i=& Hkk"kk&foKku]0;kdj.k rFkk 'kkL=h; lkfgR; dk bfrgkl

प्रथम इकाई
भाषा विज्ञान (अ) भाषा की उत्पत्ति तथा विकास (ब) ध्वनि–विज्ञान, उच्चारण–अवयव,ध्वनि–परिवर्तन के कारण,प्रसिद्ध ध्वनि–नियम

द्वितीय इकाई
अर्थ विज्ञान – अर्थ परिवर्तन के कारण एवं अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ। भाषाओं का आकृतिमूलक और पारिवारिक वर्गीकरण भारोपीय –परिवार की विशेषताएँ केण्टुम–शतम् वर्ग, भारतीय भाषाओं का
अध्ययन, वैदिक संस्कृत, लौकिक संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश भाषाएँ।

तृतीय इकाई –प्रक्रिया भाग–लघु सिद्धान्त कौमुदी (णिजन्त से लकारार्थ तक)

चतुर्थ इकाई–सिद्धांत कौमुदी–कारक प्रकरण

पंचम इकाई– शास्त्रीयसाहित्य का इतिहास वास्तु, ज्योतिष, गणित, अर्थशास्त्र, आयुर्वेद तथा व्याकरण शास्त्र का संक्षिप्त परिचय।

सहायक ग्रन्थ :
1. भारत की सांस्कृतिक–साधना – डॉ. रामजी उपाध्याय
2. भाषा–विज्ञान – भोलानाथ तिवारी
3. संस्कृत–भाषा–विज्ञान – डॉ. राजकिशोर सिंह
4. भाषा का इतिहास – श्री भगवद्दत्त
5. संस्कृत साहित्य का इतिहास – बलदेव उपाध्याय
6. एम.ए. संस्कृत–व्याकरण – डॉ. श्री निवास शास्त्री
7. संस्कृत –व्याकरण – डॉ. बाबूराम त्रिपाठी,
8. कारक दीपिका – श्री मोहन वल्लभ पन्त,
9. प्रौढ़ रचनानुवाद कौमुदी – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी।

10. व्याकरण शास्त्र का इतिहास – युधिष्ठिर मीमांसक
11. आयुर्वेद का वृहद् इतिहास – अत्रिदेव विद्यालंकार
12. आयुर्वेद का वैज्ञानिक इतिहास – प्रियव्रत शर्मा
13. आयुर्वेद का प्रामाणिक इतिहास – भगवत राम गुप्त कृष्णदास अकादमी, वाराणसी
14. भारतीय ज्योतिष – डॉ. नेमीचंद शास्त्री, भारतीय ज्ञानपीठ, वाराणसी
15. भारतीय ज्योतिष – शंकर बालकृष्ण दीक्षित हिन्दी अनुवाद शिवनाथ झारखण्डी, हिन्दी समिति, लखनऊ उ.प्र.
16. ज्योतिष विज्ञान निर्झरी – प्रका. राज. संस्कृत अकादमी, जयपुर
17. सुगम ज्योतिष प्रवेशिका – गोपेश कुमार ओझा
18. भारतीय वास्तु (वर्तमान संदर्भ – ले.प्रो. शुकदेव चतुर्वेदी श्रीलाल बहादुर में सम्पूर्ण परीशीलन) शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ दिल्ली
19. वास्तुशास्त्र प्रबोधिनी – सीताराम शर्मा, राज ज्योतिष परिषद एवं शोध संस्थान जयपुर
20. वास्तु रत्नाकर – प्र. गीताप्रेस गोरखपुर
21. भवन भास्कर – प्र. गीताप्रेस गोरखपुर

,e-,- mÙkjk)Z

oxZ ¼v½ lkfgR;

iFke i'ui= & lLdr dkO; 'kkL=

इकाई 1काव्यप्रकाश (मम्मट) प्रथम एवं द्वितीय उल्लास
इकाई 2काव्यप्रकाश (मम्मट) तृतीय, चतुर्थ एवं पंचम उल्लास
इकाई 3काव्यप्रकाश (मम्मट) षष्ठ, सप्तम (केवल रस दोष व रस दोष परिहार) तथा अष्टम उल्लास
इकाई 4ध्वन्यालोक (आनन्दवर्धनाचार्य) प्रथम उद्योत
इकाई 5वक्रोक्तिजीवितम् (कुन्तक) प्रथम उन्मेष

सहायक ग्रन्थ –

- काव्यप्रकाश (हिन्दी व्याख्या) आचार्य विश्वेश्वर
- काव्यप्रकाश (बालबोधिनी टीका) वामनझलकीकर
- काव्यप्रकाश व्या. डॉ. पारसनाथ द्विवेदी
- ध्वन्यालोक (लोचन व बालप्रिया टीका सहित) सम्पादक पं.पट्टाभिराम शास्त्री
- ध्वन्यालोक (हिन्दी व्याख्या) – आचार्य विश्वेश्वर
- ध्वन्यालोक (संस्कृत, हिन्दी अनुवाद व व्याख्या)–रामसागरत्रिपाठी आनन्दवर्धन–डॉ. रेवा प्रसाद द्विवेदी
- संस्कृत काव्य शास्त्र का इतिहास – डॉ पी.वी. काणे
- संस्कृत पोइटिक्स – डॉ. एस. के. डे (संस्कृत काव्यषास्त्रका इतिहास)
- भारतीय साहित्यशास्त्र – आचार्य बलदेव उपाध्याय
- भारतीय साहित्य शास्त्र की रूपरेखा – डॉ. जी.टी. देश पाण्डे
- रसालोचनम् – डॉ. ब्रह्मानन्द शर्मा
- रस सिद्धान्त की शास्त्रीय समीक्षा – प्रो. सुरजनदास स्वामी
- रस सिद्धान्त – डॉ. नगेन्द्र
- वक्रोक्तिजीवितम् (प्रथम उन्मेष) – श्री परमेश्वरदीन पाण्डेय (सुधा संस्कृत हिन्दी व्याख्योपेतम्)
- भारतीय साहित्य शास्त्र की रूप रेखा – डॉ भोलाशंकर व्यास

f}rh; i'ui= & ukVd ,o ukV; 'kkL=

इकाई 1 उत्तररामचरितम् (भवभूति)
इकाई 2 मृच्छकटिकम् (शूद्रक)
इकाई 3 दशरूपकम् (धनंजय) प्रथम व द्वितीय प्रकाश
इकाई 4 दशरूपकम् (धनंजय) तृतीय व चतुर्थ प्रकाश
इकाई 5 नाट्यशास्त्र (भरत) प्रथम व द्वितीय अध्याय

सहायक ग्रन्थ
उत्तररामचरितम् (हिन्दी व्याख्या) – रामनारायण बेनीमाधव
उत्तररामचरितम् – व्या. रमाकान्त त्रिपाठी

उत्तररामचरितम् (सटीक) महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा
भवभूति और उनकी नाट्यकला – सुरेन्द्र दीक्षित
भवभूति और उनकी नाट्यकला – डॉ. आयोध्याप्रसाद सिंह
महाकवि भवभूति – गंगासागर राय
भवभूति – वी.वी. मीराशी
भवभूति – आर.डी. करमारकर
हिन्दी नाट्यशास्त्र – आचार्य विश्वेश्वर
भरत नाट्यशास्त्र – मनमोहन घोष (अंग्रेजी अनुवाद)
भरतनाट्यशास्त्र – डॉ ब्रजमोहन चतुर्वेदी
भरत नाट्य शास्त्र – डॉ पारसनाथ द्विवेदी
दशरूपक धनंजय – भोलाशंकर व्यास
दशरूपक (नान्दीटीका) – डॉ रामजी उपाध्याय
दशरूपक – संपादक रमाशंकर त्रिपाठी
नाटयशास्त्रम् (प्रथम द्वितीययाध्यायात्मकम्) – सत्यप्रकाश शर्मा
संस्कृत नाट्य सि(ान्त – डॉ. रमाकान्त त्रिपाठी
संस्कृत नाटयकोश – रामसागर त्रिपाठी
भारतीय नाटय परम्परा और अभिनयदर्पण – वाचस्पति गैरोला
नाटय शास्त्रीय पारिभाषिक शब्दानुक्रमणिका – राम जी उपाध्याय
नाटयशास्त्रीयानुसन्धानम् – रामजी उपाध्याय
1ण् र्ृ ंदक च्तंबजपब वि िंदोतपज क्तंउं इल ैण्छण् ैींजतप
2ण् जीम बसेंपबंस क्तंउं वि प्दकपं . भ्मदमतल ॅण् ॅमससे
3ण् ैंदोतपज जीमवतल वि क्तंउं ंदक क्तंउंजनतल .... ज्ण्ळण्डंपदांत
4ण् ैंदोतपज क्तंउं . ।ण्ठण् ज्ञमपजी 5ण्प्दकपंद जीमंजमत . ब्ण्ठण् ळनचज 6ण्ज्लचमे वि िंदोतजप क्तंउं .डंदांकं

r'rh; i'u i=&ox & dk0; x|] i| ,o pEi

इकाई 1 कादम्बरी (बाणभट्ट) महाश्वेता वृत्तांत
इकाई 2 नैषधीयचरितम् (श्रीहर्ष) प्रथम सर्ग
इकाई 3 शिशुपालवधम् (माघ) प्रथम सर्ग
इकाई 4 शिशुपालवधम् (माघ) द्वितीय सर्ग
इकाई 5 नलचम्पू (त्रिविक्रम भट्ट) प्रथम उच्छ्वास

सहायक ग्रन्थ
कादम्बरी (कथामुखम्) – डॉ कृष्णावतार वाजपेयी
कादम्बरी (कथामुख) – साहित्य भण्डार मेरठ
कादम्बरी एक सांस्कृतिक अध्ययन – वासुदेवशरण अग्रवाल
बाण और दण्डी – एक अध्ययन – डॉ. सुधीर कुमार गुप्त
बाण – आर. डी. कर्मारकर
बाणभट्ट – ए लिटरेरी स्टडी – डॉ नीता शर्मा
नैषधीय चरितम् – निर्णय सागर मुम्बई
नैषधीयचरितम् (मल्लिनाथ कृत जीवातु व्याख्या युक्त)चौखम्भा संस्कृत सीरीज, वाराणसी
नैषधपरिशीलन – पं. चण्डिका प्रसाद शुक्ल
बृहत्त्रयी – सुषमा कुलश्रेष्ठ
शिशुपालवधम् (मल्लिनाथकृत सर्वाड्कषा व्याख्या) मोती लाल बनारसी दास, दिल्ली
शिशुपालवधम् – (बालबोधिनी व्याख्या सहित) व्या. श्रीराम जी लाल शर्मा
नलचम्पू त्रिविकमभट्टकृत – धारादत्तशास्त्री प्र.मोती लाल बनारसीदास, दिल्ली
चम्पू काव्यों का अध्ययन – छविनाथ मिश्र

vFkok

¼2½ Hkkl

इकाई 1 पंचरात्र एवं मध्यम व्यायोग
इकाई 2 बालचरितम् एवं अभिषेक नाटकम्
इकाई 3 प्रतिज्ञायौगन्धरायणम्
इकाई 4 स्वप्नवासवदत्तम्
इकाई 5 चारूदत्तम् एवं अविमारकम्

vFkok

¼3½ dkfynkl

इकाई 1विक्रमोर्वशीयम्
इकाई 2रघुवंशम् (प्रथम एवं त्रयोदश सर्ग)
इकाई 3रघुवंशम् (दशम से एकोनविंश सर्ग)
इकाई 4कुमारसंभवम् (प्रथम एवं पंचम सर्ग)
इकाई 5ऋतुसंहार (ग्रीष्म, वर्षा एवं वसंतऋतु वर्णन)

oxZ ^c* oSfnd lkfgR;

iz Fke iz'u i= & lafgrk ikB

इकाई 1.ऋग्वेद – सप्तम् मण्डल, सूक्त 1 से 10 तक
इकाई 2.अथर्ववेद – अधोलिखित सूक्त मात्र निर्धारित हैं –काण्ड सूक्त
1. 5,6,14
2. 28, 33
3. 12,16,17,30
4. 30
8. 9
9 9 (1 से 14 मंत्र, अस्य, वामस्य)
11. 4 (प्राण) 5 (ब्रह्मचारी)
19. 52, 53
इकाई 3.वाजसनेयी संहिता – अध्याय 1,32 एवं 36
इकाई 4.शुक्ल यजुर्वेद माध्यन्दिन शुक्लयजुर्वेद 31–1–22, 31–1–16, 34–1–6
सायण कृतः ऋग्वेदभाष्य भूमिका से ऋग्भाष्य भूमिका
इकाई 5. पाठ्यक्रम के निर्धारित सूक्तो की विषयवस्तु सम्बंधी समालोचनात्मक प्रश्न।

सहायक ग्रन्थ
1. वैदिक व्याकरण – डॉ रामगोपाल (दो भाग)
2. श्रीराम गोविन्द त्रिवेदी – वैदिक साहित्य,
3. मॅक्डोनेल – ए वैदिक ग्रामर फॉर स्टुडेन्ट्स (हिन्दी अनुवाद डॉ.सत्यव्रत)
4. युधिष्ठर मीमांसक – वैदिक स्वर मीमांसा
5. दयानन्द – ऋग्वेद भाष्य भूमिका
6. गोविन्दलाल बंशीलाल व रूग्रमिश्र शास्त्री – वैदिक व्याकरण भास्कर
7. डॉ. मंगलदेव शास्त्री – भारतीय संस्कृति का विकास (वैदिक धारा) भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, 620/21,
8. टी. कपाली शास्त्री – ऋग्भाष्य भूमिका
टिप्पणी : संस्तुत पुस्तकों से पाठ्यक्रम से सम्बद्ध अंश ही पढ़ने अपेक्षित हैं।

f}rh; i'u i= & ckã.k] mifu"kn~ rFkk ofnd lgk;d xUFk

इकाई 1.ऐतरेय ब्राह्मण प्रथम पंजिका – प्रथम दो अध्याय
इकाई 2.शतपथ ब्राह्मण–माध्यन्दिन काव्य 1 अध्याय 1
इकाई 3.यास्क निरूक्त – 2, 7 एवं 10 अध्याय मात्र इकाई 4.ऋग्प्रातिशाख्य 1,2 और 3 मात्र
इकाई 5.छान्दोग्योपनिषद् – अध्याय प्रथम कात्यायन श्रौतसूत्र – अध्याय प्रथम 1 – 2 कण्डिकायें

lgk;d iqLrdsa

1. डॉ. सिद्धेश्वर वर्मा – एटिमालोजी ऑफ यास्क (अध्याय 1 से 2)
2. कीथ – रिलिजन एण्ड फिलोसफी ऑफ वेद एण्ड उपनिषद्स (अध्याय 26 से 28 तक)
3. ऋग्वेद प्रातिशाख्य – डॉ वीरेन्द्र कुमार वर्मा
4. निरूक्त मीमांसा – शिवनारायण शास्त्री, इण्डोलोजिक बुक हाउस, सी– के 31/10 नेपाली, खपड़ा पोस्ट बॉक्स 98, वाराणसी।
5. क्तण् थ्ंजमीेपदही – जैम टमकपब म्जलउवसवहल

r`rh; i'u i=& ofnd /kel dk rqyukRed foospu ,oa no'kkL=

इकाई 1.ऋग्वेद के दशम मण्डल का सामान्य अध्ययन
इकाई 2.वैदिक धर्म का तुलनात्मक विवेचन
इकाई 3.बृहद्देवता – प्रथम व द्वितीय अध्याय के 25 सर्ग
इकाई 4.वैदिक व्याकरण – वैदिक स्वराङ्कन, प्रमुख वैदिक छंद
इकाई 5 वैदिक संस्कृति

सहायक पुस्तकें
1. देशमुख – ओरिजन एण्ड डवलप्मेण्ट् ऑफ रिलीजन इन वैदिक लिटरेचर 13
2. कीथ–रिलीजन एण्ड फिलॉस्फी ऑफ् वेद एण्ड उपनिषद्स(अध्याय 1 से 15)
3. मेक्डॉनल– वैदिक मइथोलोजी
4. गंगाप्रसाद – फाउण्टेन हैड ऑफ् रिलीजन
5. वेदांगप्रकाश – (सोवर प्रकरण) वैदिक पुस्तकालय, अजमेर
6. दयानन्द –सत्यार्थ प्रकाश (उल्लास 11 से 14 तक)वैदिक पुस्तकालय,अजमेर
7. मैक्समूलर – पुराणशास्त्र एवं जनकथाएँ इतिहास प्रकाशन संस्थान, वाराणसी, आदर्श हिन्दी पुस्तकालय 4/9, अहिल्यापुर, इलाहाबाद।
8. मैक्समूलर – दी साइंस ऑफ लैग्यूवेज

oxl ¼l½ n'kZu'kkL=

iFke i'u i=&U;k; vkSj oS'ksf"kd n'kZu

इकाई 1न्यायसूत्र (वात्स्यायन) भाष्य सहित) प्रथम अध्याय
इकाई 2प्रशस्तपादभाष्य (प्रारम्भ से बुद्धि निरूपण तक)
इकाई 3न्यायसिद्धान्त मुक्तावाली (प्रत्यक्ष खण्ड)
इकाई 4न्यायसिद्धान्त मुक्तावाली (अनुमान खण्ड)
इकाई 5न्यायसिद्धान्त मुक्तावाली (शब्द खण्ड)

सहायक पुस्तकें
1. शास्त्री धर्मेन्द्रनाथ–(व्या.) न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (प्रत्यक्षखण्ड), मोतीलाल बनारसी दास।
2. शास्त्री दयाशंकर–(व्या.) न्यायसिद्धान्तमुक्तावली(शब्दखण्ड)सुरभारती प्रकाशन बालाजी मार्केट, कानपुर।
3. झा, दुर्गाधर – (अनु.) प्रशस्तपादभाष्य (न्यायकन्दली सहित), सम्पूर्णानन्द संस्कृत वि.वि. वाराणसी।
4. मिश्र, श्रीनारायण :वैशेषिक दर्शन – एक अध्ययन
5. ठक्कुर, अनन्तलाल–(स.)न्यायदर्शनम् ;प्रथमाध्यायत्मकप्रथम भाग, मिथिला, विद्यापीठ दरभंगा, बिहार
6. मिश्र, सच्चिदानन्द – (व्या.) न्यायदर्शनम् भारतीय विद्याप्रकशन, दिल्ली
7. शास्त्री, श्रीनिवास –(व्या.) प्रशस्तापदभाष्य, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ–2

f}rh; i='u i= & lk[;] ;kx] ehekalk n'ku

इकाई 1.सांख्यकारिका (सांख्यतत्वकौमुदी सहित) 1–30 कारिका
इकाई 2 योगसूत्र (व्यास भाष्य सहित) समाधिपाद पतंजलि
इकाई 3 योगसूत्र (व्यास भाष्य सहित) साधनापाद
इकाई 4 योगसूत्र (व्यास भाष्य सहित) कैवल्यपाद
इकाई 5 जैमिनीसूत्र शाबरभाष्य (तर्कपाद)

सहायक पुस्तकें
1. सांख्यतत्वकौमुदी – (व्या) डॉ आद्याप्रसाद मिश्र
2. सांख्यातत्वकौमुदी – (व्या) डॉ रामशंकर भट्टाचार्य,मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
3. सांख्यतत्वकौमुदी – (व्या) गजानन शास्त्री मुसलगांवकर

r`rh; i='u i=&osnkar] ehekalk ,oa n'ku'kkL= dk bfrgkl ¼Hkkjrh; ,oa ik'pkR;½

इकाई 1.ब्रह्मसूत्र–चतुस्सूत्री (शांकर भाष्य सहित) (प्रथम अध्याय प्रथम वाद)
इकाई 2 माण्डूक्यकारिका
इकाई 3 अर्थ संग्रह (मंत्र, नामघेय, निषेध, भावना, अर्थवाद)
इकाई 4 दर्शनशास्त्र का विकास (भारतीय एवं पाश्चात्य) अवधेयम् – दर्शनशास्त्र के विकास की दृष्टि से निम्नांकित विषयों पर सामान्य अध्ययन अपेक्षित है –

1. षड्दर्शन का विकास,
2. सुकरात, प्लेटो एवं अरस्तु द्वारा प्रतिपादित नीतिशास्त्र,
3. स्पिनोजा का शून्यवाद तथा सर्वेश्वरवाद
4. बर्कलेकृतजड़वाद की आलोचना,
5. ह्यूम का कार्यकारणवाद,
6. देकार्त प्रतिपादित ईश्वर एवं बाह्य जगत तथा
7. काण्ट का नीतिशास्त्र

इकाई 5 भारतीय दर्शन के निम्नांकित विषयों का सामान्य अध्ययनजीवन में दर्शन की उपयोगिता, आत्मा, मोक्ष, ईश्वर, शून्यवाद, सत्कार्यवाद, मायावाद, प्रतीत्यसमुत्पाद, सृष्टिप्रकिया

सहायक पुस्तके :–
1. ब्रह्मसूत्र – चतुस्सूत्री – (व्या.) विश्वेश्वर सिद्धांतशिरोमणि
2. ब्रह्मसूत्र – चतुस्सूत्री – (व्या.) कामेश्वरनाथ मिश्र
3. माण्डूक्योपनिषद् (माण्डूक्यकारिका सहित) – गीता प्रेस गोरखपुर
4. Mandukkya Karika - English translation and notesby R.D. Karmarkar. Bhandarkar oriental Research Institute. Poona
5. अर्थसंङ्ग्रह – (व्या.) डॉ. दयाशंकर शास्त्री, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ – 2
6. अर्थसंङ्ग्रह – (व्या.) डॉ. कामेश्वरनाथ मिश्र
7. Arthasamgraha : English translation and notes byA.B. Gajendra Gadkar & R.D. Karmarkar.Motilal Banarsidas, Delhi
8. भामती – एक अध्ययन – डॉ. ईश्वर सिंह
9. मीमांसा दर्शन – डॉ. मण्डन मिश्र, रमेश बुक डिपो, जयपुर
10ण टमकंदजं म्ाचसंपदमक ;टवसनउम.प्द्ध. टण्भ्ण् क्ंजजए ठववोमसससमतए चनइसपेीपदह ब्वण्ए त्वंकए डनउइंप
11. अद्वैत वैदान्त में आभासवाद – डॉ. सत्यदेव मिश्र, इन्दिरा प्रकाशन, पटना वर्ग

oxZ & n &bfrgkl iqjk.k
प्रथम पश्न पत्र – इतिहास पुराणों का परिचय तथा इतिहास

इकाई1.इतिहास व पुराण का स्वरूप, रामायण और महाभारत का रचना काल, वस्तु तथा काव्यसौन्दर्य
इकाई2 अष्टादश पुराणों का परिचय व पंचलक्षण
इकाई3 इतिहास – पुराणों में आख्यान पुराकथा तथा ऐतिहासिक वृत्त
इकाई4 पाठ्यग्रंथ – महाभारत नलोपाख्यान
इकाई5 पाठ्यग्रंथ – कल्हणकृत राजतरंङ्गिणी (सप्तम तरंग)

इतिहास पुराण–द्वितीय प्रश्न पत्र – इतिहास काव्य

इकाई 1वाल्मीकि रामायण – सुन्दरकाण्ड प्रथम 15 सर्ग
इकाई 2वाल्मीकि रामायण – सुन्दरकाण्ड प्रथम 16 – 30 सर्ग
इकाई 3महाभारत आदिपर्व अध्याय 1 – 20
इकाई 4महाभारत आदिपर्व अध्याय 21 – 40
इकाई 5शांति पर्व–राजधर्म प्रकरण अध्याय 50 – 70

इतिहास पुराण– तृतीय प्रश्न पत्र – पुराण साहित्य

इकाई 1श्रीमद्भागवत पंचम स्कन्ध अथवा दशम स्कंध उतरायण
इकाई 2विष्णुपुराण प्रथम 10 अध्याय
इकाई 3पद्मपुराण – स्वर्णखण्ड अथवा स्कंदपुराण – रेवाखण्ड
इकाई 4मत्स्यपुराण – अध्याय 1 से 25 (कुरूवंश वर्णन तक)
इकाई 5मत्स्यपुराण अध्याय 26 से 50 (कुरूवंश वर्णन तक)

ox: ^b:* 0;kdj.k'kkL=&

i:Fke i:'u i=&o:;kdj.kfl)kUrdke|nh

इकाई 1.वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी–(संज्ञा प्रकरण एवं स्त्री प्रत्यय प्रकरण)
इकाई 2.वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी–(आत्मनेपद एवं परस्मैपद प्रकरण)
इकाई 3.वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी–भ्वादिगण (पड्.क्त्यंश कोछोड़कर)
इकाई 4.वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी–(अदादिगण, जुहोत्यादि, दिवादी एवं स्वादिगण)पड्.क्त्यंश को छोड़कर
इकाई 5वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी–(तुदादि,रूधादि, तनादि, क्रयादि एवं चुरादिगण)पड्.क्त्यंश को छोड़कर

सहायक पुस्तकें
1. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी–बालमनोरमा–हिन्दी व्याख्या सहित –गोपालदत्त पाण्डेय
2. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी – बालमनोरमा –तत्व बोधिनी टीकाद्वयोपेत
3. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी – लक्ष्मीटीका–सम्पति शर्मा

f}rh; i:'u i= & i:fØ;k ,o: n'k:u

इकाई 1.सिद्धान्त कौमुदी (अव्ययी भावसमास प्रकरण एवं तत्पुरूष समास प्रकरण)
इकाई 2. सिद्धान्त कौमुदी (बहुव्रीहिसमास प्रकरण से अलुक्समास प्रकरणान्त)
इकाई 3. सिद्धान्त कौमुदी (आत्मने पद एवं परस्मैपद)
इकाई 4. व्याकरण दर्शन के प्रमुख आचार्य
इकाई 5.महाभाष्य (द्वितीय आह्निक) प्रत्याहाराह्निक – प्रदीपउद्योत सहित

विशेष : 1. प्रश्न पत्र संस्कृत में बनाया जाएगा।
2. आत्मनेपद एवं परस्पैपद प्रक्रिया के प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में पूछे जाएंगे

सहायक पुस्तकें
1. महाभाष्यम् – प्रदीप उद्योतटीका
2. महाभाष्यम् – युधिष्ठिर मीमांसक
3. महाभाष्यम् – प्रदीपउद्योत – छाया टीका सहित – पायगुण्डे

r`rh; i:'u i= & 0;kdj.k n'k:u

इकाई 1. वाक्यपदीय (ब्रह्मकाण्ड) स्वोपज्ञटीका सहित कारिका 1–43
इकाई 2. वाक्यपदीय (ब्रह्मकाण्ड) स्वोपज्ञटीका सहित कारिका 44–106 तक
इकाई 3. वाक्यपदीय (ब्रह्मकाण्ड) स्वोपज्ञटीका सहित कारिका 107.156
इकाई 4. वैयाकरणभूषणसार (धात्वर्थ निरूपण, लकारार्थ)
इकाई 5. वैयाकरणभूषणसार (स्फोटनिर्णय)

विशेषः वाक्यपदीय; ब्रह्मकाण्ड 107 से 156 तक की कारिकाओं की व्याख्या संस्कृत में पूछी जाएगी। पाठ्यग्रन्थ
1. वाक्यपदीयम् (भर्तृहरि)
2. वैयाकरण भूषणसार (कौण्डभट्ट)

सहायक पुस्तकें
1. वाक्यपदीयम् – शिवशंकर अवस्थी
2. वाक्यपदीयम् – वामदेव आचार्य
19
3. वाक्यपदीयम् – पं. रघुनाथ शर्मा
4. भर्तृहरि का वाक्यपदीयम् – अनु. के.ए. सुब्रह्मण्य अय्यर
5. वैयाकरणभूषणसार – भैमीव्याख्या भीमसेन शास्त्री
6. वैयाकरणभूषणसार – ब्रह्मदत्त द्विवेदी
7. वैयाकरणभूषणसार – गोपाल शास्त्री नेने
8. वैयाकरणभूषणसार – पं. श्याम चरण त्रिपाठी
9. हंसराज अग्रवाल – प्रबन्धप्रदीप
10. डॉ. कपिलदेव द्विवेदी – प्रौढ़ रचनानुवादकौमुदी
11. चारूदेव शास्त्री – शब्दापशब्द विवेक(पठित व्याकरण पर आधारित व्युत्पति के लिये सहायक ग्रन्थ)
12. डॉ. बाबूराम त्रिपाठी – संस्कृत व्याकरण, विनोद पुस्तक, मन्दिर आगरा
13. डॉ. श्रीनिवास शास्त्री – एस.ए. संस्कृत व्याकरण, साहित्य भण्डार मेरठ
14. माधवाचार्य – माधवीय धातुवृत्ति
15. डॉ. नारायण शास्त्री कांकर, व्याकरण साहित्य प्रकाश,अजमेरा बुक कम्पनी
16. संस्कृत निबन्ध नवीनतम, डॉ. द्विवेदी एवं चतुर्वेदी,श्री राम मेहरा, आगरा
17. श्री मोहन वल्लभ पन्त, कारकदीपिका, रामनारायण लाल बेनीामाघ प्रयोग

lHkh oxkZ dS fy, vfuok;Z
prqFkZ iz'u i= & fucU/k] O;kdj.k ,oa vuqokn

इकाई 1लघु सिद्धान्त कौमुदी – पूर्व कृदन्त प्रकरणम्
इकाई 2 लघु सिद्धांत कौमुदी – उत्तर कृदन्त प्रकरणम्
इकाई 3 लघु सिद्धांत कौमुदी – समास प्रकरणम्
इकाई 4 लघु सिद्धांत कौमुदी – तद्धित प्रकरणम् (चातुरार्थिक प्रत्यय पर्यन्त)
इकाई 5 लघु सिद्धांत कौमुदी – स्त्री प्रत्यय

सहायक ग्रन्थ
प्रबन्ध प्रकाश – डॉ मंगलदेव शास्त्री
प्रबन्ध मंजरी – हृषीकेश भट्टाचार्य
प्रबन्ध रत्नाकर – डॉ. रमेश चन्द्र शुक्ल
संस्कृत निबन्ध पथ प्रदर्शक – वी.एस. आप्टे
संस्कृत निबन्धशतकम् – डॉ कपिल देव द्विवेदी
प्रौढ रचनानुवाद कौमुदी – डॉ कपिल देव द्विवेदी
संस्कृत व्याकरण – डॉ श्री निवास शास्त्री
संस्कृत व्याकरण – डॉ बाबूराम त्रिपाठी
लघु सिद्धान्त कौमुदी भैमी व्याख्या – पं. भीमसेन शास्त्री ;3–6द्ध भाग
लघु सिद्धान्त कौमुदी – पं. धरानन्द शास्त्री
वृहदनुवाद चन्द्रिका – चक्रधर नौटियाल हंस
अनुवाद कला – चारूदेव शास्त्री
निम्नलिखित शोधपत्रिकायें पठनार्थ अनुमोदित है –
संस्कृत मंजरी – दिल्ली संस्कृत अकादमी, दिल्ली
सागरिका – संस्कृत विभाग, सागर वि.वि.सागर
स्वरमंगला – राज. संस्कृत अकादमी, जयपुर संभाषण संदेश –
भारती – भारती कार्यालय, न्यू कालोनी, जाजू अस्पताल के सामने जयपुर।
शोध प्रभा – लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, दिल्ली।

¼lHkh oxk d fy, vfuok;½

ipe i'u i=& 'kkL=h; lkfgR;] ikphu lkfgR; ,o f'kykys[k

इकाई 1 महाभाष्य (पस्पशाह्निक)
इकाई 2 कोटिल्य का अर्थशास्त्र (प्रथम अधिकरण)
इकाई 3 काव्यमीमांसा (राजशेखर) प्रथम से पंचम अध्याय
इकाई 4 शिवराज विजयम् (अम्बिकादत्त व्यास) प्रथम व द्वितीय निश्वास
इकाई 5 अभिलेखमाला से अभिलेख (रूद्रदामन् का गिरनार अभिलेख, कुमारगुप्त का मन्दसौर (दिशपुर) शिलालेख, समुद्रगुप्त की प्रयाग प्रशस्ति, स्कंदगुप्त का जूनागढ़ प्रस्तराभिलेख

सहायक ग्रन्थ
व्याकरण महाभाष्य (प्रथम आह्निकत्रय) अनु. चारूदेवशास्त्री
व्याकरण महाभाष्य (पस्पशाह्निकम्) व्या. डॉ. जयशंकर लाल त्रिपाठी,
पातञजल महाभाष्य एक दार्शनिक अध्ययन डा. नरेन्द्र देव आचार्य,
काव्यमीमांसा राजेशखर – व्या. डॉ श्री कृष्णमणि त्रिपाठी
काव्यमीमांसा (हिन्दी व्याख्या) साधना पाराशर दिल्ली
काव्यमीमांसारहस्यम् – पं. विजयमित्र शास्त्री (1–5अध्याय)
अलंकार शास्त्र का इतिहास – पी.वी. काणे
भारतीय साहित्य शास्त्र – बलदेव उपाध्याय
भारतीय साहित्य शास्त्र – जी.टी. देशपाण्डे
कौटिल्य अर्थशास्त्र – उदयवीर शास्त्री
कौटिल्य अर्थशास्त्र – वाचस्पति गौरोला
कौटिल्य अर्थशास्त्र – डॉ रघुनाथ सिंह
अभिलेख माला – व्यास्याकार झा बन्धु,
भारत के प्राचीन शिलालेख – डॉ वासुदेव उपाध्याय
भारत के प्राचीन शिलालेख – डॉ पी.के. मजूमदार

vFkok

vk/kfud lLdr lkfgR;

इकाई 1मधुच्छन्दा प्रो. हरिराम आचार्य कृत
इकाई 2 पद्मिनी प. मोहनलाल शर्मा पाण्डेयकृत
इकाई 3 भीष्मचरितम् (1 – 5 सर्ग) प्रो. हरिनारायण दीक्षित
इकाई 4 भीष्मचरितम (6 – 10 सर्ग) प्रो. हरिनारायण दीक्षित
इकाई 5 बीसवीं शताब्दी का संस्कृत साहित्य का सामान्य अध्ययन

(राजस्थान के विशेष संदर्भ में) भट्ट मथुरानाथ शास्त्री, पं. नवल किशोर कांकर, पं. गिरधर शर्मा नवरत्न, पं. पद्म शास्त्री, पं. श्रीराम दवे।

सहायक पुस्तके
1. राजस्थानीयमभिन व संस्कृतसाहित्यम्–खण्ड1–5सम्पादक–डॉ.गंगाधरभट्ट,राज.संस्कृत अकादमी जयपुर
2. जयपुर की संस्कृत परम्परा – देवर्षि कलानाथ शास्त्री
3. राजस्थानस्याधुनिक संस्कृत कथालेखकाः सं. पुष्कर दत्त शर्मा राज. संस्कृत अकादमी, जयपुर
4. नवोन्मेष – प्रो. रामचन्द्र द्विवेदी राज. संस्कृत अकादमी, जयपुर
5. राजस्थान के संस्कृत कृतिकार पं. शंकरलाल शास्त्री
6. आधुनिक संस्कृत काव्य – परम्परा डॉ. केशव मूलगांवकर
7. पद्मिनी – पं. मोहनलाल शर्मा पाण्डेय पाण्डेय प्रकाशन, जयपुर
8. मधुच्छंदा – प्रो. हरिराम आचार्य प्रकाशन जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर
9. भीष्मचरितम् – हरिनारायण दीक्षित प्रकाशक – ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली
10. विद्व×जनचरितामृतम् – कलानाथ शास्त्री

vFkok

y?kq 'kks?k izcU/k

vgZrk – पूर्वाद्ध परीक्षा में 55 प्रतिशत या इससे अधिक अंक प्राप्त नियमित छात्र।

Lo:i –100 प्रष्ठों से अधिक होगा तथा विभाग के किसी प्राध्यापक के निर्देशन में लिखा जाएगा।
विषयवस्तु –लघु शोध प्रबन्ध किसी प्रकाशित/अप्रकाशित ग्रन्थ का अनुवाद, कार्य, विवेचनात्मक, समालोचनात्मक व तुलनात्मक समीक्षात्मक कार्य किया जा सकेगा।

ukV –लघु शोध प्रबन्ध को तीन प्रतियॉ में परीक्षा तिथि से तीन सप्ताह पूर्व सम्बद्ध विभागाध्यक्ष की संस्तुति केसाथ महाविद्यालय को प्रस्तुत करना होगा।